भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3628

दिनांक 24 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अंगदान और प्रतिरोपण में चुनौतियां

3628 श्रीमती सुधा मूर्तिः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अंगदान के क्षेत्र में वर्तमान चुनौतियों, जिसमें पहुंच में असमानताओं, जागरूकता की कमी और विभिन्न क्षेत्रों में क्षमता संबंधी बाधाएँ शामिल हैं, की समीक्षा की है;

(ख) क्या अंगदान और प्रतिरोपण में पारदर्शिता, निगरानी और समन्वय में सुधार के लिए आंकड़ा प्रणालियों और रजिस्ट्रियों को सुदृढ़ करने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) अंगदान दर में सुधार के लिए, विशेषकर अल्पसेवित क्षेत्रों में, अवसंरचना, प्रशिक्षित कार्यबल और संस्थागत क्षमता के विस्तार के लिए प्रस्तावित उपाय क्या हैं; और

(घ) क्या अंगों की मांग और उपलब्धता के बीच के अंतर को दूर करने के लिए जन जागरूकता बढ़ाने और स्वैच्छिक अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए कोई पहल की जा रही है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, मृत व्यक्तियों के अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने, विशेष रूप से जन स्वास्थ्य क्षेत्र में अंगदान एवं प्रत्यारोपण के लिए संस्थागत क्षमता को बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में अंग प्रत्यारोपण सेवाओं तक समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी) का कार्यान्वयन कर रहा है। अंगदान की मौजूदा स्थिति का आकलन करने और हस्तक्षेप के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए राज्यों, व्यावसायिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, संस्थानों और अन्य हितधारकों आदि के साथ नियमित बैठकें/वेबिनार/कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

(ख) भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2015 से वेब पोर्टल (www.notto.mohfw.gov.in) के माध्यम से राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण रजिस्ट्री को संचालित किया है।

अंगदान और प्रत्यारोपण में पारदर्शिता, निगरानी और समन्वय में सुधार के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठनों (नोटो, रोटो और सोटो) के साथ-साथ अंग प्रत्यारोपण/रिट्रीवल हॉस्पिटलों, ऊतक केंद्रों और ऊतक बैंकों को राष्ट्रीय रजिस्ट्री से जोड़ा गया है।

(ग) राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी) के तहत, देश भर में अंगदान की दरों और अंग प्रत्यारोपण सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने के उद्देश्य से, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को प्रस्तावों के आधार पर संस्थागत तंत्र (रोटो और सोटो) को मजबूत करने, अंग प्रत्यारोपण और रिट्रीवल केंद्रों और ऊतक बैंकों के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, प्रत्यारोपण समन्वयकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण और जागरूकता गतिविधियों के लिए वित्तीय अनुदान प्रदान किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर चिन्हित संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों में प्रत्यारोपण सर्जन, चिकित्सकों, एनेस्थेटिस्ट, इंटेंसिविस्ट, नर्सों, प्रत्यारोपण समन्वयकों और कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

(घ) नोटो, क्षेत्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठनों (रोटो) और राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठनों (सोटो) के साथ मिलकर, विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़कर अंग एवं ऊतक दान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाता है। इसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ जैसे प्रत्यारोपण खेल, पोस्टर बनाना, नारा लेखन, विशेष प्रतिज्ञा अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। नोटो की वेबसाइट www.notto.mohfw.gov.in पर अंग एवं ऊतक दान से संबंधित जानकारी प्रसारित की जाती है, जिसमें सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रशिक्षण सामग्री का प्रदर्शन भी शामिल है। इसके अलावा, अंग दान के लिए सूचना, टेली-काउंसलिंग और समन्वय प्रदान करने हेतु एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (1800114770) वाला 24x7 कॉल सेंटर कार्यरत है। सोशल मीडिया (नोटो के फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब चैनल) के माध्यम से संदेशों का प्रसार प्रतिदिन किया जाता है।

नागरिकों को अंग और ऊतक दान के लिए प्रतिज्ञा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए, एक समर्पित वेब पोर्टल https://notto.abdm.gov.in कार्यरत है, जिसके माध्यम से 17 सितंबर, 2023 से अब तक 4.8 लाख से अधिक आधार सत्यापित प्रतिज्ञाएं पंजीकृत की जा चुकी हैं।

*****